



## पेट्रोल, डीज़ल पर उत्पाद शुल्क में वृद्धि

### प्रीलिमिंस के लिये:

वित्त वधियक, वित्त अधिनियम की आठवीं अनुसूची में संशोधन

### मेन्स के लिये:

उत्पाद शुल्क में वृद्धि से संबंधित मुद्दे

### चर्चा में क्यों:

हाल ही में केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीज़ल पर उत्पाद शुल्क में वृद्धि एवं वित्त अधिनियम की आठवीं अनुसूची में संशोधन किया है।

### प्रमुख बढि:

- सरकार ने अंतरराष्ट्रीय तेल की कीमतों में गरिावट से होने वाले लाभ को बढ़ाने की कोशिश की है।
- पेट्रोल पर वशिष उत्पाद शुल्क 2 से 8 रुपए प्रतिलीटर और डीज़ल के मामले में 4 रुपए प्रतिलीटर बढ़ाया गया। इसके अतरिकित पेट्रोल और डीज़ल पर सड़क उपकर को 1 रुपए प्रतिलीटर से बढ़ाकर 10 रुपए प्रतिलीटर कर दिया गया।

### राजस्व में वृद्धि:

- उत्पाद शुल्क में वृद्धि से सरकार के राजस्व में लगभग 39,000 करोड़ रुपए की वार्षिक वृद्धि होगी।
- सरकार ने नवंबर 2014 और जनवरी 2016 के बीच वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में गरिावट से होने वाले लाभ को बढ़ाने की कोशिश हेतु पेट्रोल और डीज़ल पर नौ बार उत्पाद शुल्क लगाया।
- सरकार ने वर्ष 2014-15 के पश्चात् पेट्रोल पर 1.77 रुपए प्रतिलीटर और डीज़ल पर 13.47 रुपए प्रतिलीटर की दर से उत्पाद शुल्क में बढ़ोतरी की थी जिसके परिणामस्वरूप राजस्व आय वर्ष 2014-15 के 99,000 करोड़ रुपए से बढ़कर वर्ष 2016-17 में 2,42,000 करोड़ रुपए हो गई।
- वशिषज्ञों के अनुसार, जहाँ इस वर्ष की पहली तमिाही में कच्चे तेल की कीमतों में कमी का लाभ उपभोक्ता को काफी मिला है, वहीं केंद्र ने तंग राजकोषीय स्थितिको देखते हुए कुछ राजस्व बढ़ाने के लिये शुल्क बढ़ाने का यह कदम उठाया है। बुनियादी ढाँचे के विकास और व्यय की अन्य वकिसात्मक वस्तुओं के लिये संसाधन तैयार करने में मदद मल्लिगी।

### वित्त अधिनियम की आठवीं अनुसूची में संशोधन:

- पहले पेट्रोल और डीज़ल पर उत्पाद शुल्क में अधिकतम वृद्धिक्रमशः 10 और 4 रुपए प्रतिलीटर का प्रावधान था।
- वित्त अधिनियम की आठवीं अनुसूची में संशोधन से अब पेट्रोल और डीज़ल पर उत्पाद शुल्क में अधिकतम वृद्धिक्रमशः 18 और 12 रुपए प्रतिलीटर का प्रावधान हो गया।
- सदन में COVID-19 के प्रकोप के कारण वित्त वधियक में संशोधन लोकसभा में बहस के बिना पारित कर दिया गया।

### वित्त वधियक (Finance Bill):

- साधारणतया वित्त वधियक, उस वधियक को कहते हैं, जो वित्तीय मामलों जैसे राजस्व या व्यय से संबंधित होता है।
- इसमें आगामी वित्तीय वर्ष में कसिी नए प्रकार के कर लगाने या कर संशोधन आदि से संबंधित वशिष शामिल होते हैं।

### वित्त वधियक के प्रकार:

- धन वधियक - अनुच्छेद 110
- वत्तित वधियक - अनुच्छेद 117 (1)
- वत्तित वधियक - अनुच्छेद 117 (3)
- इस वर्गीकरण के अनुसार, सभी धन वधियक, वत्तित वधियकों की श्रेणी में आते हैं। यद्यपि सभी धन वधियक, वत्तित वधियक होते हैं कति सभी वत्तित वधियक, धन वधियक नहीं होते हैं। केवल वे वत्तित वधियक ही धन वधियक होते हैं, जिनका उल्लेख संविधान के अनुच्छेद 110 में किया गया है।
- धन वधियक को लोकसभाध्यक्ष द्वारा भी धन वधियक के रूप में प्रमाणित किया जाता है।
- वत्तित वधियक-। तथा II की चर्चा संविधान के अनुच्छेद 117 में की गई है।

स्रोत: द हट्टि

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/excise-duty-raises-on-petrol-diesel>

